Hindi Murli Quiz 07-05-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **आज के वरदान पर आधारित यह एक्सरसाइज बहुत ध्यान से करें --**
"आप शिव शक्ति कम्बाइन्ड बन मन्सा ------- व वृत्ति द्वारा सुख-शान्ति, प्रेम, आनंद की खुशबू फैलाओ। सिर्फ --------का आटोमेटिक स्विच आन करो तो विश्व में जो अशुद्ध वृत्तियों की बदबू है वह समाप्त हो जायेगी।"
[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक शब्द से दोनों रिक्त स्थान भरें]

A. शक्ति
B. सेवा
C. संकल्प
D. स्मृति

Q.2) **"बच्चों की दिल होती है कि जल्दी सतयुग हो जाए तो इस दु:ख से छूट जायें। परन्तु ड्रामा बहुत धीरे-धीरे चलता है। बाप धीरज देते हैं बच्चे बाकी थोड़े रोज हैं। बाप का शुक्रिया है जिसने सारा ज्ञान सुनाया है। एक आत्माओं का झाड़ है, दूसरा है मनुष्यों का झाड़। मनुष्यों के झाड़ में ऊपर में हैं ग्रेट-ग्रेट ग्रैन्ड फादर ब्रहमा ।"**

A. True
B. False

Q.3) **"दिखलाते हैं - शंकर के आंख खोलने से विनाश हो जाता है। अभी तुम जानते हो विनाश तो ड्रामा अनुसार होना ही है। आपस में लड़कर विनाश हो जायेंगे। शंकर का पार्ट कुछ भी है नहीं। ब्रहमा और विष्णु का पार्ट तो सारे कल्प में है- ब्रहमा सो विष्णु, विष्णु सो ब्रहमा। शंकर तो जन्म-मरण से न्यारा है इसलिए शिव और शंकर को फिर मिला दिया है।"**

A. True
B. False

Q.4) **आज की धारणा के अनुसार सभी सही पॉइंट्स चयन करें --**

A. पुरानी दुनिया से बेहद का वैरागी बन 5 विकारों का सन्यास करना है।
B. सवेरे उठकर एक बाप की याद में बैठना है, उस समय और कोई भी याद न आये।
C. शक्तिशाली योग के लिए बाप के सम्मुख सदा मधुवन में रहना है ।
D. स्वयं को बदलना है। क्षीरखण्ड होकर रहना है।

Q.5) **“मीठे बच्चे - अभी ड्रामा का चक्र पूरा होता है, तुम्हें ---------बनकर नई दुनिया में आना है, वहाँ सब ---------- हैं, यहाँ लूनपानी हैं ।”**
[निम्नलिखित सभी विकल्पों में से सबसे सटीक एक विकल्प से दोनों रिक्त स्थान भरें]

A. पवित्र
B. सतोप्रधान
C. देवता
D. क्षीरखण्ड

Q.6) **शब्दों /वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice		Match
A	सतयुग में तो तुम्हारी आत्मा पवित्र कंचन हो जाती है,	1	वहाँ के फल ही इतने बड़े-बड़े होते हैं।
B	स्वर्ग के शूबीरस आदि भी तुम पीकर आते हो।	2	इसलिए कहते हैं देवताओं के पैर पतित दुनिया में नहीं आते।
C	तुम्हारा सन्यास है 5 विकारों का,	3	तो शरीर भी कंचन मिलता है।
D	सुखदाता द्वारा सुख का भण्डार प्राप्त होना,	4	और वैराग्य है सारी पुरानी दुनिया से।
E	दुनिया की धरनी अब तमोप्रधान है,	5	यही उनके प्यार की निशानी है।

Q.7) **बाप ने किस नॉलेज के द्वारा बच्चों को त्रिकालदर्शा बनाया है, उसे स्पष्ट करें ----**

A. ☐ आत्मा एक शरीर छोड़ दूसरा लेती है।
B. ☐ सारे वर्ल्ड की सतयुग से लेकर कलियुग अन्त तक की हिस्ट्री-जॉग्राफी की नॉलेज।
C. ☐ नई दुनिया सो पुरानी,पुरानी सो नई दुनिया,यह दुनिया का चक्र फिरता रहता है।
D. ☐ यह ड्रामा का चक्र अब पूरा होता है।
E. ☐ संस्कार आत्मा में हैं, आत्मा अविनाशी है।

Q.8) **"मनुष्य ही फरिश्ता बनते हैं, इसलिए सूक्ष्मवतन दिखाया है। वहाँ तुम आत्मायें जाती हो, शरीर तो सूक्ष्मवतन में नहीं जायेगा। जाते कैसे हैं, उसको कहा जाता है तीसरा नेत्र, दिव्य-दृष्टि अथवा ध्यान भी कहते हैं। तुम ध्यान में ब्रह्मा-विष्णु-शंकर को देखते हो।"**

A. ○ True
B. ○ False

Q.9) **सभी सही वाक्यों का चयन करें --**

A. ☐ जगदम्बा का कितना मेला लगता है, ब्रह्मा का इतना नहीं। क्योंकि तुम भारत की सेवा करती हो।
B. ☐ सृष्टि चक्र का ज्ञान देने के लिये बाप को आना पड़ता है, प्रेरणा की तो कोई बात ही नहीं।
C. ☐ किसको भी समझाओ तो पहले स्थापना, विनाश फिर पालना कहना है।
D. ☐ सेन्टर्स पर तुम जाते हो उसे भी आत्माओं, परमात्मा का मेला कहेंगे।
E. ☐ तुम अभी ईश्वरीय बच्चे हो फिर दैवी बच्चे फिर क्षत्रिय बनेंगे।

Q.10) **शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice		Match
A	भक्ति का कनेक्शन रावण के साथ है।	1	क्योंकि आत्मा को ज्ञान का तीसरा नेत्र मिला है।
B	सब बच्चे जान गये हैं कि अभी घर चलना है,	2	ज्ञान का कनेक्शन राम के साथ है।
C	हम फिर से सतयुग में जायेंगे,	3	यह नाटक पूरा होता है।
D	आत्मा को दर्शन होता है-सृष्टि चक्र का,	4	फिर 84 जन्मों का चक्र लगाना है।
E	अन्य सभी मनुष्यों को यह स्थूल नेत्र हैं,	5	ज्ञान का नेत्र कोई को नहीं है।